दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 274 ■ दमण, सोमवार 20, जुलाई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संसद का मानसून सत्र आज से: लोकसभा में बदलेगा राजनीतिक समीकरण

■ टीएमसी के 20 और उद्धव गुट के 6 बागी सांसदों को अलग बैठने की मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के मौजूदा मानसून सत्र में लोकसभा की राजनीतिक तस्वीर में बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। दरअसल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के छह बागी सांसदों को अलग समूह के रूप में मान्यता देते हुए सदन में अलग बैठने की अनुमति दे दी है। सोमवार 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में ये सभी सांसद अपने नए दलों के साथ सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेंगे। टीएमसी के 20 सांसदों ने 15 जून को पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। इससे पहले 8 जून को इन सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा की थी। पूर्व टीएमसी नेता काकोली घोष दस्तीदार ने बताया था कि सांसदों के हस्ताक्षरयुक्त पत्र लोकसभा अध्यक्ष को सौंप दिए गए थे। एनसीपीआई पश्चिम बंगाल में पंजीकृत राजनीतिक दल है, जिसने 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भी अपने उम्मीदवार उतारे थे।

वहीं, महाराष्ट्र में 22 जून को उद्धव ठाकरे की शिवसेना में एक और बड़ी टूट हुई थी। लोकसभा के नौ सांसदों में से छह सांसद पार्टी छोड़कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। इसके बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई। मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एकनाथ शिंदे ने इसे पार्टी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया था।

इन दोनों घटनाक्रमों से लोकसभा में एनडीए का संख्या बल और मजबूत होने की संभावना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीती थीं और सहयोगी दलों के साथ एनडीए का आंकड़ा 292 तक पहुंचा था। अब टीएमसी और उद्धव गुट के बागी सांसदों के समर्थन से सरकार दो-तिहाई बहुमत के और करीब पहुंच सकती है। माना जा रहा है कि इससे सरकार को महत्वपूर्ण विधेयकों, विशेषकर संविधान संशोधन से जुड़े प्रस्तावों पर रणनीतिक बढ़त मिल सकती है।

वापी कोर्ट के आदेश के बाद वापी महानगरपालिका के दो काउंसिलरों के खिलाफ मामला दर्ज

■ वॉर्ड नं. 3 के भाजपा काउंसिलर सुनीता तिवारी और शमसुद्दीन चौधरी के खिलाफ फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर चुनाव जीतने का लगा है आरोप, डुंगरा पुलिस ने शुरू की जांच

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 19 जुलाई। वापी महानगरपालिका के दो काउंसिलरों के खिलाफ डुंगरा पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है। वापी कोर्ट के आदेश के बाद वापी महानगरपालिका के वॉर्ड नं. 3 के भाजपा काउंसिलर सुनीता तिवारी और शमसुद्दीन चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला तब सामने आया जब वापी के छिरी इलाके के रहने वाले मोहम्मद इमरान अब्दुल रऊफ मिर्जा ने वापी कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। इस मामले में आरोप है कि वापी महानगरपालिका में भाजपा की महिला काउंसिलर (जो एक प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल भी हैं) सुनीता उमेशचंद्र तिवारी और काउंसिलर के शमसुद्दीन नूरुद्दीन चौधरी ने पहले से सोची-समझी आपराधिक साजिश रची। आरोप है कि प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता तिवारी की मदद और मिलीभगत से शमसुद्दीन चौधरी के लिए राता स्थित हिंदी विद्या मंदिर स्कूल से एक फर्जी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एलसी) बनवाया गया। शिकायत के अनुसार, इस फर्जी लीविंग सर्टिफिकेट में शमसुद्दीन चौधरी की जन्मतिथि 16/11/1994 दिखाई गई थी। लेकिन सेंट जेवियर्स स्कूल के आधिकारिक बोर्ड रिकॉर्ड और 10वीं कक्षा के एडमिशन फॉर्म की जांच करने पर पता चला कि उनकी असली जन्मतिथि 13/11/1998 थी। साल 2015 में हुए छिरी तालुका पंचायत चुनाव के समय, शमसुद्दीन की असली उम्र सिर्फ 16 साल 11 महीने थी। चुनाव लड़ने के लिए कानूनी रूप से अयोग्य होने के बावजूद, इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वह वॉर्ड नंबर 2 से चुनाव जीते और लगातार 5 साल तक सत्ता का आनंद लिया। 2026 के नगर निकाय चुनावों में बीजेपी के टिकट पर धोखाधड़ी की गई। इतना ही नहीं इसी साल 2026 में हुए वापी नगरपालिका के आम चुनावों में भी यहीं गडबडी किया गया। शमसुद्दीन चौधरी ने भाजपा के टिकट पर वापी नगरपालिका के वॉर्ड नंबर 3 से अपनी उम्मीदवारी दाखिल की थी। नामांकन फॉर्म भरते समय, उन्होंने ममलतदार कार्यालय (बलिठा) में एक नोटरी वकील के माध्यम से तैयार किया गया, झूठा हलफनामा जमा किया और अपनी उम्र 31 साल बताकर राज्य चुनाव आयोग और सरकारी तंत्र को गुमराह किया। साथ ही 28 अप्रैल 2026 को चुनाव जीतकर काउंसिलर बने। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने कार्रवाई की और जांच वापी जीआईडीसी पुलिस को सौंप दी गई। इस पूरे मामले के उजागर होने के बाद शिकायतकर्ता ने वापी अदालत में आपराधिक विविध आवेदन संख्या 423/2026 दायर किया। अदालत के सख्त रुख और आदेश के बाद डुंगरा पुलिस ने दोनों भाजपा काउंसिलरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) 2023 की धाराओं 339(2), 339(3), 340(2) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में फर्जी दस्तावेज बनाना, झूठे सबूतों को असली के तौर पर इस्तेमाल करना और आपराधिक साजिश रचना शामिल है। चूंकि घटना स्थल वापी जीआईडीसी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए आगे की गहन जांच वापी जीआईडीसी पुलिस को सौंप दी गई है। दो काउंसिलरों के खिलाफ मामला दर्ज होने से राजनीतिक गलियारे में खलबली मची हुई है।

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को लिखा पत्र

वापी एवं वलसाड दोनों डंप यार्डों का संयुक्त वैज्ञानिक निरीक्षण कराने की उठाई मांग

■ दमणगंगा नदी (वापी) एवं ओरंगा नदी (वलसाड) के तट पर संचालित नगरपालिकाओं के ठोस अपशिष्ट डंप यार्डों से संभावित गंभीर पर्यावरणीय प्रदूषण, पर्यावरणीय कानूनों के उल्लंघन की उच्चस्तरीय संयुक्त जांच, नदी तटों से इन डंपिंग स्थलों को तत्काल हटाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 19 जुलाई। सांसद उमेश पटेल ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को लिखे पत्र में बताया है कि गुजरात के वलसाड जिले में स्थित दो अत्यंत गंभीर पर्यावरणीय मामलों की ओर आपका ध्यानाकर्षित करना चाहता हूँ, जिनका सीधा संबंध नदियों के संरक्षण, भूजल, समुद्री पारिस्थितिकी, मत्स्य संसाधनों, पर्यावरणीय सुरक्षा तथा लाखों नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। पहला मामला वापी महानगरपालिका द्वारा दमणगंगा नदी के तट पर संचालित Municipal Solid Waste (MSW) Segregation, Treatment, Processing, Recycling एवं Compost Project का है। इस संबंध में मुझे लगातार गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई हैं तथा स्थल निरीक्षण के दौरान भी अनेक गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं। शिकायतों के अनुसार वर्षा ऋतु में डंप यार्ड से निकलने वाला लीचेट (Leachate) एवं ठोस अपशिष्ट दमणगंगा नदी की ओर बहता है, जिससे नदी, भूजल तथा समुद्री पर्यावरण प्रदूषित होने का गंभीर खतरा उत्पन्न होता है। दूसरा मामला वलसाड नगरपालिका द्वारा ओरंगा नदी के तट पर संचालित डंप यार्ड का है। स्थानीय नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के अनुसार नगर का मिश्रित ठोस कचरा बड़े पैमाने पर खुले में डंप किया जा रहा है। यह भी जानकारी मिली है कि डंप यार्ड पर केवल दिखावे के लिए Segregation, Processing, Recycling आदि का कुछ बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर निर्मित किया गया है, किन्तु स्थानीय लोगों के अनुसार अधिकांश सुविधाएँ लंबे समय से कार्यशील नहीं हैं तथा उनका वास्तविक उपयोग नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप अधिकांश कचरा बिना वैज्ञानिक प्रसंस्करण के खुले में जमा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त यह भी शिकायत प्राप्त हुई है कि डंप यार्ड के चारों ओर पर्याप्त बाउंड्री वॉल उपलब्ध नहीं है, वर्षा के दौरान कचरा एवं लीचेट नदी की ओर बहने की आशंका बनी रहती है तथा समय-समय पर प्लास्टिक एवं अन्य ठोस कचरे को खुले में जलाकर उसका निपटान किया जाता है, जिससे विषैली गैसें वातावरण में फैलती हैं और आसपास के नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं गंभीर विषय है कि गुजरात के दक्षिणी क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण नदियों-दमणगंगा एवं ओरंगा–के किनारे नगरपालिकाओं के बड़े डंपिंग स्थल संचालित किए जा रहे हैं। यदि इनका संचालन वैज्ञानिक मानकों एवं पर्यावरणीय कानूनों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है, तो इससे नदियां, भूजल, अरब सागर, मत्स्य संसाधन, कृषि भूमि एवं जैव विविधता पर अपूरणीय क्षति पहुँच सकती है। यदि उपरोक्त शिकायतें सत्य पाई जाती हैं, तो यह Environment (Protection) Act, 1986, Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974, Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 तथा Solid Waste Management Rules, 2016 का गंभीर उल्लंघन होगा। आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि MoEFCC के निर्देश पर CPCB, GPCB एवं जिला प्रशासन की उच्चस्तरीय संयुक्त जांच समिति तत्काल गठित की जाए। वापी एवं वलसाड दोनों डंप यार्डों का संयुक्त वैज्ञानिक निरीक्षण कराया जाए। मेरे द्वारा संलग्न 25 बिंदुओं पर विस्तृत तकनीकी जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। दोनों डंप यार्डों पर स्थापित सभी Segregation, Recycling, Composting, Processing एवं अन्य संयंत्रों की वास्तविक कार्यशीलता (Operational Status) की स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि वे प्रतिदिन कितनी क्षमता से कार्य कर रहे हैं। यदि कोई संयंत्र केवल कागजों में अथवा दिखावे के लिए स्थापित पाया जाता है तथा वास्तविक रूप से संचालित नहीं हो रहा है, तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार एजेंसियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। नदी, भूजल, मिट्टी एवं वायु गुणवत्ता की स्वतंत्र वैज्ञानिक जांच कराई जाए। खुले में कचरा जलाने, लीचेट बहने तथा पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन की शिकायतों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। 8. पिछले पाँच वर्षों की निरीक्षण रिपोर्ट, नोटिस, पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति, अनुपालन रिपोर्ट एवं कार्रवाई का पूरा विवरण उपलब्ध कराया जाए। आवश्यकता होने पर NEERI, IIT अथवा किसी अन्य स्वतंत्र राष्ट्रीय तकनीकी संस्था से पर्यावरणीय ऑडिट कराया जाए। इसके अतिरिक्त कृपया 25 बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एवं जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का कष्ट करें। जिसमें दोनों डंप यार्डों का क्षेत्रफल, सर्वे नंबर, स्थापना वर्ष एवं स्वीकृत क्षमता, CTE, CTO एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों की प्रतियां, Solid Waste Management Rules, 2016 के अनुपालन की स्थिति, नदी से वास्तविक दूरी एवं अनुमेय मानकों का पालन, बाउंड्री वॉल एवं सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति, लीचेट नियंत्रण एवं उपचार प्रणाली का विवरण, Segregation, MRF, Recycling, Composting एवं Processing Plant की स्थिति, प्रतिदिन प्राप्त होने वाले कचरे का श्रेणीवार विवरण, खुले में कचरा जलाने की घटनाओं एवं कार्रवाई का विवरण, पिछले पाँच वर्षों के निरीक्षणों का विवरण, जारी नोटिस एवं दंडात्मक कार्रवाई का विवरण, नदी, भूजल एवं मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट, वायु गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट, नदी में प्रदूषण पहुँचने के वैज्ञानिक प्रमाण, Fire Safety एवं Landfill Gas Management की व्यवस्था, नागरिकों के स्वास्थ्य प्रभाव संबंधी अध्ययन, वैज्ञानिक Landfill Cell की उपलब्धता, Source Segregation की स्थिति, पिछले पाँच वर्षों का वित्तीय व्यय एवं अनुदान, स्वतंत्र पर्यावरणीय ऑडिट रिपोर्ट, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई, OCEMS, CCTV एवं सार्वजनिक सूचना बोर्ड की स्थिति, मत्स्य संसाधनों, जैव विविधता एवं समुद्री पर्यावरण पर प्रभाव का अध्ययन, सुधार अथवा स्थानांतरण की समयबद्ध कार्ययोजना एवं संपूर्ण संयुक्त जांच प्रतिवेदन, फोटोग्राफ, ड्रोन सर्वेक्षण, GIS मानचित्र एवं अनुपालन रिपोर्ट शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण एवं तत्काल मांग करते हुए सांसद उमेश पटेल ने मंत्रालय से विशेष रूप से आग्रह किया है कि दमणगंगा नदी एवं ओरंगा नदी के तट पर स्थित इन दोनों नगरपालिकाओं के डंपिंग स्थलों का पर्यावरणीय, वैज्ञानिक एवं कानूनी दृष्टि से पुनर्मूल्यांकन कराया जाए तथा यदि ये नदी तंत्र, भूजल एवं जनस्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण पाए जाते हैं, तो इन्हें तत्काल नदी किनारों से हटाकर पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप उपयुक्त वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। नदियां किसी भी नगर का कूड़ाघर नहीं हो सकतीं। नदी तटों पर डंपिंग साइटों का संचालन भविष्य की पीढ़ियों के जल, पर्यावरण एवं जीवन के साथ गंभीर खिलवाड़ है। इसलिए इन दोनों डंपिंग स्थलों को नदी किनारों से हटाना ही इस समस्या का स्थायी एवं वैज्ञानिक समाधान है। साथ ही कृपया संलग्न 25 बिंदुओं पर विस्तृत जांच प्रतिवेदन, सभी निरीक्षण रिपोर्ट, जल एवं मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट, ड्रोन सर्वेक्षण, GIS मानचित्र, फोटोग्राफ तथा की गई कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने का कष्ट करें। यह विषय केवल वापी एवं वलसाड तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे पश्चिमी भारत की नदियों, समुद्री पारिस्थितिकी, पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का विषय है। अतः मंत्रालय स्वयं इसकी निगरानी करते हुए समयबद्ध एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे।

वरकुंड भाजपा मंडल अध्यक्ष के रूप में नीलम प्रवीण मिटना की हुई नियुक्ति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 जुलाई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में और दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में नीलम प्रवीण मिटना को वरकुंड भाजपा मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर दमण जिला पंचायत सदस्य सुनीता हलपति, वरकुंड ग्राम पंचायत के उपसरपंच और वरकुंड ग्राम पंचायत के सदस्यों, प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष वीरेश भक्ति, निमेश दमणिया, दमण जिला भाजपा महामंत्री गणेश भंडारी, कविता कामली, दमण जिला भाजपा पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने नवनियुक्त वरकुंड मंडल अध्यक्ष नीलम प्रवीण मिटना को पुष्पगुच्छ भेंटकर उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी।

खराब मौसम का असर, वैष्णो देवी यात्रा 19 जुलाई से स्थगित

- जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार खराब मौसम और भारी बारिश के मद्देनजर श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने यात्रा को 19 जुलाई से अस्थाई रूप से स्थगित कर दिया है। यह निर्णय प्रशासन द्वारा जारी खराब मौसम की चेतावनी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। बोर्ड ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में जारी मूसलाधार बारिश के कारण रियासी जिले के कटरा स्थित त्रिकुटा पहाड़ियों पर भूस्खलन का खतरा काफी बढ़ गया है, जिससे मंदिर मार्ग असुरक्षित हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, भारी बारिश के बाद मंदिर की ओर जाने वाले नए मार्ग पर हिमकोटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसके बाद बोर्ड ने तत्काल मलबे को हटाने के लिए कर्मचारी और मशीनें तैनात की हैं। इससे पहले 8 जुलाई को भी मंदिर मार्ग भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके चलते बैटरी कार सेवा को अस्थाई रूप से निलंबित करना पड़ा था। हालांकि, उस समय सैकड़ों तीर्थयात्रियों ने भूस्खलन के बावजूद अपनी पैदल यात्रा जारी रखी थी, लेकिन वर्तमान गंभीर स्थिति को देखते हुए पूरी यात्रा को रोकने का फैसला किया गया है।

जैसलमेर में भीषण सड़क हादसा : कार-बाइक जलकर खाक, एक युवक की दर्दनाक मौत

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसे में कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार एक ज्वेलर समेत तीन लोग चमत्कारिक रूप से बच निकलने में कामयाब रहे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा जैसलमेर-नेहड़ाई रोड पर बोहा और नेहड़ाई गांव के बीच रात करीब 9 बजे हुआ। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार हवा में लगभग 20 फीट उछलकर दूर जा गिरा। टक्कर के तुरंत बाद मोटरसाइकिल कार के अगले हिस्से में फंस गई, जिससे भीषण शॉर्ट सर्किट हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेज़ थी कि दोनों वाहन कुछ ही मिनटों में कबाड़ में तब्दील हो गए। हादसे के बाद आग से कार के दरवाजे ऑटोमैटिक लॉक हो गए, जिससे कार सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, पीछे का एक दरवाजा खुलने से ज्वेलर समेत तीनों लोग समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। बताया जा रहा है कि वे गहने देकर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने मृत युवक के मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। मोहनगढ़ पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया, क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

धोखाधड़ी मामले में बैंक ऑफ इंडिया का कर्मी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने वर्ष 2016 की नोटबंदी के दौरान हुए कथित वित्तीय अनियमितता के एक बड़े मामले में कार्रवाई की है। ईओयू ने कोडरमा जिले के डोमचांच स्थित बैंक ऑफ इंडिया की फुलवरिया शाखा में कार्यरत बैंककर्मी अरविंद कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर गया शाखा में पदस्थापित रहते हुए अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राहक के बैंक खाते का दुरुपयोग कर लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन को अंजाम देने का आरोप है। ईओयू के अनुसार, अरविंद कुमार नोटबंदी के समय बैंक ऑफ इंडिया की गया शाखा में कार्यरत था। आरोप है कि उसने वादी राजेश कुमार के बैंक खाते का कथित तौर पर उसकी जानकारी और सहमति के बिना उपयोग कर लाखों रुपये का संदिग्ध लेन-देन किया था। राजेश कुमार की शिकायत पर गया में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए आर्थिक अपराध इकाई को सौंप दिया गया। विस्तृत जांच और बैंकिंग दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ईओयू को अरविंद कुमार की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। इसके बाद निगरानी अदालत से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी की तलाश की जा रही थी। ईओयू की टीम ने कोडरमा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से नोटबंदी के दौरान हुए इस कथित वित्तीय नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और लेनदेन के व्यापक दायरे का खुलासा हो सकता है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है।

निर्वस्त्र होकर मंदिर पहुंची, मूर्ति लेकर तालाब में कूदी महिला इंजीनियर

-सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी की मौत के मिले नए सुराग

हैदराबाद (एजेंसी)। पीरजादीगुड़ा के एक तालाब में मिले सॉफ्टवेयर इंजीनियर तेजस्विनी के शव मामले में पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, एक मंदिर के सीसीटीवी फुटेज में तेजस्विनी को मंदिर परिसर में जाते हुए देखा गया है। जांच में सामने आया है कि वह मंदिर से एक मूर्ति लेकर तालाब की ओर गई थी। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की वजहों का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, तेजस्विनी कपड़े उतारकर मंदिर पहुंची और वहां से अप्पावारू की मूर्ति उठाई। इसके बाद वह मूर्ति लेकर तालाब की ओर चली गई। पुलिस का कहना है कि तालाब में उसके कूदने का कोई प्रत्यक्ष सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। फिलहाल तालाब में मूर्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस का मानना है कि मूर्ति मिलने से जांच को महत्वपूर्ण दिशा मिल सकती है। जांच के दौरान तेजस्विनी के निजी जीवन से जुड़ी कुछ जानकारियां भी सामने आई हैं। पुलिस के अनुसार, वह जिस फ्लैट में किराए पर रह रही थी, उसका किराया काफी अधिक था। वह रोजाना करीब 3500 रुपये का भुगतान करती थी, जो महीने में एक लाख रुपये से अधिक बैठता है। जिस अपार्टमेंट में वह रहती थी, उसकी ऊपरी मंजिलों पर लॉज संचालित होने की जानकारी भी मिली है। पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले में आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए कई पहलुओं की जांच कर रही है। इसमें पैसों के लेनदेन, आसपास रहने वाले लोगों की भूमिका और अन्य परिस्थितियों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि तेजस्विनी ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। पुलिस ने तेजस्विनी की मां अरुणा से भी पूछताछ की है। जांच अधिकारी घटनाक्रम से जुड़े सभी साक्ष्यों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पुलिस सभी संभावित कारणों की पड़ताल कर रही है।

राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी कहा- चुप्पी से काम नहीं चलेगा

अयोध्या के राम मंदिर में हुई चोरी का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले राम मंदिर चंदे को लेकर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर सवाल उठाए हैं। दोनों नेताओं ने मामले में प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर भी आपत्ति जताई और जवाबदेही तय करने की मांग की है।

कांग्रेस नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि राम मंदिर के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यदि चंदे या ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर मामलों में सरकार की ओर से स्पष्ट जवाब आना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए। राहुल गांधी और खरगे ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोपों की जांच की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट से जुड़े सभी वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मंदिर निर्माण से जुड़ी आस्था और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि जांच केवल दस्तावेजों और खातों तक सीमित न रहे, बल्कि मंदिर के लिए मिले सभी प्रकार के दान, जिसमें नकद राशि, सोना, चांदी और अन्य चढ़ावे शामिल हैं, उनके प्रबंधन की भी विस्तृत जांच की जाए। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रस्ट के सभी खातों की जानकारी आम लोगों के सामने रखी जाए। पार्टी का कहना है कि इससे श्रद्धालुओं को यह स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी कि उनके द्वारा दिए गए दान का उपयोग किस तरह किया गया। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले यह मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह सदन में इसे प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। वहीं, इस मामले पर आगे राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है। कांग्रेस की मांग है कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस विषय पर पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नाराज विपक्ष ने पहले किया बहिष्कार फिर सर्वदलीय बैठक में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक उस समय राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई.जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नए संसदीय समूह में शामिल हुए 20 बागी सांसदों को भी बैठक में आमंत्रित किया। सरकार के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया. सरकार द्वारा विपक्ष की मांग नहीं मानने पर बैठक का बहिष्कार भी किया लेकिन कुछ देर बाद ही बैठक में शामिल हुआ। विपक्षी दलों का कहना था, बागी सांसदों की मान्यता और दलबदल से जुड़े मामले अभी पूरी तरह विवादमुक्त नहीं हैं। ऐसे में उन्हें सर्वदलीय बैठक में आमंत्रित करना संसदीय परंपराओं के विपरीत है. इससे मूल राजनीतिक दल के अधिकारों की अनदेखी होती है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक लाभ के लिए संसदीय प्रक्रियाओं का मनमाने तरीके से उपयोग कर रही है। दूसरी ओर, सरकार का कहना है. जिन सांसदों ने अलग संसदीय समूह के रूप में मान्यता का दावा किया है.उन्हें चर्चा में शामिल करना संसदीय संवाद की प्रक्रिया का हिस्सा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभी दलों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य मानसून सत्र के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक दलों के मुद्दों पर चर्चा करना था. टीएमसी के बागी सांसदों के निमंत्रण ने बैठक से पहले ही सियासी माहौल गर्मा दिया। माना जा रहा है कि इस विवाद का असर मानसून सत्र की कार्यवाही पर सत्र शुरू होने के साथ ही पड़ना तय है।

जम्मू-कश्मीर में एक सप्ताह में दूसरा संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद

-सांबा जिले के खेतों से मिला ड्रोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया है। पिछले एक सप्ताह के भीतर इस तरह का दूसरा ड्रोन मिलने से सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर गांव के खेतों में तलाशी अभियान के दौरान संदिग्ध ड्रोन बरामद किया। प्रारंभिक जांच के बाद ड्रोन को कब्जे में लेकर फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है, ताकि उसके उत्पनादन क्षेत्र, तकनीकी क्षमता और संभावित उद्देश्य का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हाल के दिनों में लगातार ड्रोन मिलने की घटनाएं सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी अथवा खुफिया गतिविधियों से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक ड्रोन के माध्यम से किसी सामग्री की आपूर्ति या किसी विशेष मिशन की पुष्टि नहीं की है।

देवक गांव से पहले ही बरामद हो चुका एक ड्रोन

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से भी एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया गया था। एक सप्ताह के भीतर दूसरी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनुसार सीमा से सटे इलाकों में गश्त, निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने स्थानीय लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध उड़ने वाली वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें।

टीएमसी में सियासी घमासान के बीच 'शहीद दिवस' पर बढ़ा तनाव

तीन गुट अलग-अलग करेंगे कार्यक्रम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी सियासी संघर्ष अब 'शहीद दिवस' कार्यक्रम तक पहुंच गया है। पार्टी के गठन के बाद पहली बार टीएमसी तीन गुटों में बंट चुकी है और हर गुट खुद को पार्टी की असली राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बता रहा है। ऐसे में 21 जुलाई को मनाए जाने वाले 'शहीद दिवस' को लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। टीएमसी के गठन के बाद से हर वर्ष 21 जुलाई को कोलकाता के सेंट्रल एवेन्यू में बड़ी रैली आयोजित की जाती रही है। हालांकि इस बार पहली बार वहां कोई कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन ने मध्य कोलकाता के कई इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 2 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। पुलिस का कहना है कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों के दौरान हिंसा और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका है, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं। टीएमसी में यह संकट विधानसभा चुनाव में हार के बाद और गहरा गया। विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में 80 में से 60 से अधिक विधायकों ने अलग गुट बनाकर खुद को 'असली टीएमसी' घोषित कर दिया। इसके बाद पार्टी के 29 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसद एक अन्य राजनीतिक दल में शामिल हो गए। हालात तब और बिगड़ गए जब चार राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया, जिनमें से तीन बाद में भाजपा में शामिल हो गए। दूसरी ओर, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को अब राजनीतिक हलकों में 'कालीघाट तृणमूल' के नाम से भी जाना जाने लगा है। इस बीच, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को बिड़ला तारामंडल के पास दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी है। अदालत ने इस कार्यक्रम में अधिकतम 2,500 लोगों की मौजूदगी की सीमा तय करते हुए पुलिस को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, रिताब्रता बनर्जी का गुट मेयो रोड पर गांधी प्रतिमा के सामने अपना कार्यक्रम करेगा। राज्य कांग्रेस भी उसी दिन शहीद मीनार के निकट अपना आयोजन करेगी, जबकि एक अन्य दल ने भी 'शहीद दिवस' मनाने की घोषणा की है, हालांकि कार्यक्रम स्थल की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। ऐसे में 21 जुलाई को कोलकाता में कई समानांतर राजनीतिक आयोजन होने से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं।

गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता नहीं होती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि गाली-गलौज या अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा अश्लीलता के दायरे में नहीं आता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि कोई शब्द तभी अश्लील माना जाएगा, जब वह कामुकता को बढ़ावा देने वाला हो या लोगों को भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखता हो। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के एक मामले में सुनवाई करते हुए की। आरोपी मणि को जमीन विवाद के दौरान मां की गाली देने के लिए अश्लीलता के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2017 में जमीन विवाद को लेकर आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की थी। पीड़ित का आरोप था कि आरोपी ने जातिसूचक शब्द भी कहे। बाद में घर से हथियार लाकर हमला कर दिया, जिससे उसकी नाक की हड्डी टूट गई। सुप्रीम कोर्ट ने अश्लीलता और आपराधिक धमकी के आरोपों से आरोपी को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गाली देने से किसी को परेशानी हुई, यह साबित नहीं हुआ। हालांकि, शिकायतकर्ता को गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में उसकी सजा बरकरार रखी है। आरोपी की उम्र करीब 70 साल होने और स्वास्थ्य स्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उसकी सजा को घटाकर कोर्ट उठने तक की सजा दी। साथ ही, उसे 2 महीने के अंदर 50,000 रुपए का जुर्माना भरने का निर्देश दिया है।

बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास को उत्तराधिकारी बनने की दी चुनौती

- कवि ने भी भर दी हामी

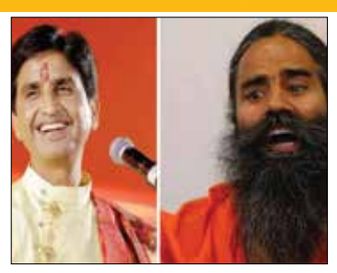

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव और कवि कुमार विश्वास के बीच हंसी-मजाक और दोस्ताना नोकझोंक अक्सर देखने को मिलती है। अब एक कार्यक्रम में दोनों के बीच ऐसा ही दिलचस्प संवाद हुआ, जिसमें बाबा रामदेव ने मजाकिया अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास की नजर पतंजलि पर है और वह इसके उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर कुमार विश्वास ने भी अपने अंदाज में जवाब दिया और बाबा की शर्त पूरी करने की बात कह दी।

दोनों के बीच यह बातचीत दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित फिल्म 'रामायणम' के प्री-ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान हुई। कार्यक्रम में कई फिल्मी हस्तियों और साधु-संतों की मौजूदगी रही। मंच पर बाबा रामदेव और कुमार विश्वास आमने-सामने आए तो दोनों के बीच हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत शुरू हो गई। बाबा रामदेव ने मजाक करते हुए कहा कि कुमार विश्वास की नजर हमेशा इसी पर रहती है कि उन्हें पतंजलि का उत्तराधिकारी बनना है। इस पर कुमार विश्वास ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी बाबा से उन्हें गोद लेने की बात कही थी। तब बाबा ने कहा था कि अगर गोद लिया तो सुबह चार बजे उठकर योग करना होगा। कुमार विश्वास ने जवाब देते हुए कहा कि जिसका भविष्य इतना बड़ा हो, वह देर तक सोएगा क्यों। इसके बाद बाबा रामदेव ने कुमार विश्वास के सामने एक शर्त रख दी। उन्होंने मंच पर नौली क्रिया करके दिखाई और कहा कि अगर वह इसे सीख लेते हैं तो उत्तराधिकारी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कुमार विश्वास ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं और इसे सीख लेंगे। गौरतलब है कि पतंजलि समूह का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। पतंजलि फूड्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का सालाना परिचालन राजस्व दर्ज किया है। कंपनी के कारोबार में एफएमसीजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी महत्वपूर्ण रही है। हालांकि मंच पर हुई यह बातचीत पूरी तरह मजाक और दोस्ताना माहौल में हुई, लेकिन दोनों हस्तियों के बीच यह संवाद कार्यक्रम का आकर्षण बन गया।

सुप्रिया 2 सप्ताह तक ना कुछ बोलेंगी, न राजनीति करेंगी

-संसद सत्र से पहले सुले का वॉयस रेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने स्वास्थ्य कारणों से खुद को राजनीतिक गतिविधियों और मीडिया से दूर रखने का फैसला किया है। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने बताया कि डॉक्टरों की सलाह पर वह अगले एक से दो सप्ताह तक वॉयस रेस्ट पर रहेंगी। इस दौरान वह न तो मीडिया से बातचीत करेंगी, न प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगी और न ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगी।

सुप्रिया सुले ने बताया कि गले और आवाज में परेशानी के कारण उन्होंने विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली। जांच में गले में हल्की सूजन पाई गई, जिसके बाद उन्हें लंबे समय तक बोलने, भाषण देने और साक्षात्कार से बचने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह वॉयस थेरेपी भी लेंगी और मीडिया तथा समर्थकों से सहयोग की अपील की है।

स्वास्थ्य कारणों के चलते सुप्रिया सुले विपक्षी गठबंधन की उस अहम बैठक में भी शामिल नहीं हो पाएंगी, जिसमें संसद के मानसून सत्र के दौरान सरकार के खिलाफ रणनीति तैयार करने और विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष की एकजुटता को लेकर चर्चा होनी है। सुप्रिया सुले का यह फैसला ऐसे समय आया है जब वह कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा में थीं। हाल ही में उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को लेकर अपना रुख स्पष्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी विधेयक का अध्ययन करेगी और यदि इसमें सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में समान वृद्धि की व्यवस्था होगी तो समर्थन पर विचार किया जा सकता है। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में इस विधेयक को लेकर बहस तेज हो गई थी।

इसके अलावा महाराष्ट्र की राजनीति में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। राजनीतिक गलियारों में ऐसी अटकलें हैं कि शरद पवार गुट और अजित पवार गुट के बीच किसी समझौते की संभावना बन सकती है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कदम उठाने की तैयारी में है। इनमें महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने वाला प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। ऐसे समय में सुप्रिया सुले का कुछ समय के लिए सक्रिय राजनीति से दूर रहना विपक्षी रणनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य कारणों से लिया गया यह फैसला अस्थायी है और वह जल्द ही सक्रिय भूमिका में लौटेंगी।

क्या इस बार भी संसद का सत्र हंगामा और स्थगन की भेंट चढ़ जाएगा: मायावती

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, बंगाल चुनाव के बाद हालात, गर्भवती महिलाओं की मौत पर जताई चिंता

लखनऊ (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने पश्चिम बंगाल से लेकर राजस्?थान तक के मुद्दों पर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्?होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद के हालात और राजस्?थान में गर्भवती महिलाओं की मौत मामले पर चिंता जताई। रविवार सुबह मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर सात पॉइंट में लंबा चौड़ा पोस्?ट किया।

उन्?होंने लिखा- अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। एक बार फिर यह देश और आमजन की चिंता है कि क्या इस बार भी फिर से संसद का सत्र हंगामा व स्थगन आदि की भेंट चढ़ जाएगा या फिर जबरदस्त महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला असुरक्षा, अहम परीक्षाओं के भी पेपरलीक आदि से जुड़े देश के ज्वलन्त मुद्दों से उत्पन्न उत्तेजित, आक्रोशित व आन्दोलित माहौल को शान्त करने व इनके संतोषजनक समाधान के लिए गंभीरता दिखाई जाएगी।

मायावती ने लिखा- वैसे खासकर अयोध्या श्रीराम मन्दिर में चढ़ावा की चोरी, हेराफेरी व ग़बन आदि को लेकर व्यापक जन आक्रोश ने भी यूपी व देश को काफी झकझोर कर रख दिया है और लोग, धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण करने वालों को इसके लिए कठघरे में खड़ा करके, उनसे दिल दुखाने की जवाबदेही मांग रहे हैं, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर अदालत तक में है और संसद में भी यह मुद्दा गर्म होगा, जिसपर लोगों की पैनी नजर है।

बसपा सुप्रीमो ने लिखा- इतना ही नहीं बंगाल में विधानसभा आमचुनाव के बाद के हालात्, राजस्थान में सरकार की लापरवाही के कारण गर्भवती महिलाओं की मौत समेत कई राज्यों में बढ़ती महिला असुरक्षा आदि भी गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने लिखा- भारत की अर्थव्यवस्था व यहां के जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित करती हुई अमेरिका-इजराइल का ईरान के विरुद्ध लगातार युद्ध और रुपया का अवमूल्यण आदि देश व जनहित के ऐसे ख़ास मुद्दे हैं जिनपर राजनीतिक द्वेष, स्वार्थ व आरोप-प्रत्यारोप की संकीर्णता/वैमनस्य को त्यागकर सत्ता और विपक्ष दोनों को एकजुट होकर अच्छा उपाय ढूंढ कर सराहनीय कार्य करना होगा, वरना 140 करोड़ की जनसंख्या वाले अपने देश में बहुजनों का जीवन यहां और भी बुरे दिन वाला बनकर उनका भविष्य अधर में लटकायेगा, जिसकी आशंका भी व्यक्त की जा रही है।

अतः देश को त्रस्त करने वाली इन भारी चुनौतियों व उसके प्रति चेतावनियों को ध्यान में रखकर संसद के मानसून सत्र को, बिना किसी उत्तेजना, रोष व विद्वेष के, सुचारू, शान्तिपूर्ण एवं स्वस्थ्य लोकतात्रिक परम्परा के मुताबिक चलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद को भी इन ज्वलन्त राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरी तरह से गंभीर व संवेदनशील होना जरूरी है और इसकी शुरूआत अगर संसद के वर्तमान मानसून सत्र से ही हो तो यह बेहतर ही होगा। जनहितैषी गुड गवर्नेंस के लिए संसद का प्रभावी होना जरूरी। जय भीम, जय भारत।

मुंबई कोस्टल रोड पर तेज रफ्तार पोर्शे का भीषण हादसा, एयरबैग खुलने से चालक और यात्री की बची जान

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 8 बजे एक लग्जरी पोर्शे स्पोर्टस कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार से दौड़ रही कार अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, समय पर एयरबैग खुल जाने से चालक और कार में सवार दूसरे व्यक्ति की जान बच गई। इस दुर्घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, पोर्शे कार कोस्टल रोड पर अत्यधिक गति से चल रही थी। इसी दौरान चालक का वाहन पर नियंत्रण अचानक बिगड़ गया और कार सीधे डिवाइडर से जा भिड़ी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और बचाव दल को सूचना दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। करीब आठ मिनट के भीतर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर कार में फंसे दोनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटाया गया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए कोस्टल रोड पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक को जल्द ही सामान्य कर दिया। फिलहाल मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार थी या फिर वाहन में कोई तकनीकी खराबी आई थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। प्रारंभिक तौर पर पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

स्टेनलेस स्टील उद्योग का महाकुंभ, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बढ़ाया उद्यमियों का उत्साह

स्टील उद्योग को आत्मनिर्भर और वैश्विक बनाने की पहल, अहमदाबाद में सजा भव्य एक्सपो

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल रविवार को अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी कन्वेंशन हॉल में आयोजित वाइब्रेंट इंडिया स्टेनलेस स्टील एग्जीबिशन-2026 देखने के लिए पहुँचे। पटेल ने प्रदर्शनी के विभिन्न स्टॉल्स पर जाकर देशभर से आए प्रदर्शकों, उत्पादकों एवं उद्यमियों से उनके उत्पादों के में बारे में जानकारी प्राप्त की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस बीटूबी ट्रेड एग्जीबिशन में देश के विभिन्न राज्यों से किचनवेयर, क्रॉकरी तथा होम अप्लायंसेज उद्योग के लगभग 100 से अधिक अग्रणी उत्पादक सहभागी हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी प्रस्तुत नए उत्पादों और होम अप्लायंसेज क्षेत्र में हो रहे आधुनिक अनुसंधानों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और वे वैश्विक परिप्रेक्ष्य से अवगत हुए। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य भारत के स्टेनलेस स्टील उद्योग को मजबूत, स्मार्ट तथा आत्मनिर्भर बनाकर एक वैश्विक उत्पादन केन्द्र बनाना है। इसमें इनोवेशन, ग्रीन स्टील टेक्नोलॉजी, एमएसएमई को समर्थन, निर्यात में वृद्धि और रोजगार सृजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष बल दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 20 जुलाई तक चलने वाली इस चार दिवसीय प्रदर्शनी में देश-विदेश से 500 से अधिक प्रतिष्ठित ब्रांड्स के उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप देशभर के ट्रेड विजिटर्स द्वारा बड़े पैमाने पर बल्क ऑर्डर एवं बिजनेस नेटवर्किंग के अवसर सृजित हुए हैं।

इस अवसर पर योगेश अग्रवाल, जयंतीलाल सरधारा, अशोक भणसाली, प्रकाश संघवी, नरेन्द्र दिवाकर, दिनेश सेन, दिव्यांश अग्रवाल सहित विभिन्न अग्रणी स्टील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्रतिनिधि और रिटेलर्स उपस्थित रहे।

6 वर्षीय बच्चे की चांदीपुरा वायरस से मौत, जीबीआरसी जांच में संक्रमण की पुष्टि

भावनगर (ईएमएस)। जिले के वलभीपुर तहसील के मेलाणा गांव के 6 वर्षीय बच्चे की चांदीपुरा वायरस संक्रमण से मौत हो गई। बच्चे को 8 जुलाई को तेज बुखार, उल्टी और लगातार दौरे पड़ने की शिकायत के बाद पहले वलभीपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे भावनगर के सर टी. जनरल अस्पताल रेफर किया गया, जहां बाल रोग विशेषज्ञों की टीम ने उसे तत्काल आईसीयू में भर्ती कर वेंटिलेटर पर रखकर गहन उपचार शुरू किया। जांच के लिए रक्त, मूत्र और सीएसएफ सहित सभी आवश्यक नमूने भेजे गए। भर्ती होने के महज 23 घंटे के भीतर बच्चे की मौत हो गई। शुरुआती जांच में स्थानीय प्रयोगशाला की रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन राज्य में चांदीपुरा वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार के नए दिशा-निर्देशों के तहत नमूने गांधीनगर स्थित जीबीआरसी प्रयोगशाला भेजे गए। जीबीआरसी की अंतिम रिपोर्ट में बच्चे में चांदीपुरा वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद इसे चांदीपुरा वायरस का पॉजिटिव मामला घोषित किया गया। डॉ. मेहुल गोसाई के अनुसार, चांदीपुरा वायरस मुख्य रूप से सैंड फ्लाई के काटने से फैलता है और यह व्यक्ति से व्यक्ति के संपर्क में आने से नहीं फैलता।

गुजराती जिस बाजार में उतरते हैं, वह बाजार हमारा बन जाता है

हर्ष संघवी ने कहा - सूरत में जल्द 10-15 हजार नई एयर जेट मशीनें होंगी स्थापित, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

सूरत (ईएमएस)। विश्वभर में टेक्सटाइल नगरी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले सूरत शहर में वस्त्र उद्योग के सतत विकास और आधुनिकीकरण को गति देने के उद्देश्य से सूरत के सणिया हेमाद में उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में 'सिक्योर एयरजेट वीवर्स एसोसिएशन' द्वारा 'वीवर्स परामर्श महासम्मेलन' आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि गुजराती जिस बाजार में कदम रखते हैं, वह बाजार हमारा बन जाता है। व्यावसायिक सफलता गुजरातियों के खून में है। एयर जेट के क्षेत्र में भी यही स्थिति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी पाँच वर्षों में विश्व में सबसे अधिक एयर जेट मशीनें हमारे सूरत में संचालित होंगी। उन्होंने कहा कि सरकारी प्रोत्साहनों और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से वस्त्र उद्योग वैश्विक बाजार में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

पर्यावरण अनुकूल और हाई क्वालिटी वाले 'वैल्यू एडिशन' उत्पादों पर जोर देते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगकारों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए पर्यावरण के अनुकूल तथा हाई क्वालिटी वाले वैल्यू एडिशन युक्त उत्पादों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सूरत के टेक्सटाइल उद्योगकारों की साहसिकता की सराहना करते हुए कहा कि सूरत हमेशा नई टेक्नोलॉजी अपनाने में अग्रसर रहा है, जिसका उत्कृष्ट उदाहरण वर्तमान में संचालित लगभग 30 हजार अत्याधुनिक 'एयर जेट लूम्स' मशीनें हैं। उद्योगकारों के सकारात्मक दृष्टिकोण और अनुकूल वातावरण के कारण आगामी एक वर्ष में ही सूरत में 10 से 15 हजार नई एयर जेट मशीनें संचालित होंगी, जिससे रोजगार और उत्पादन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित होंगे।

सरकार उद्योगकारों के साथ खड़ी है, यह विश्वास दिलाते हुए हर्ष संघवी ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर को प्रोत्साहन देने वाली सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ सुदूरवर्ती वीवर्स तक पहुँचाया जाएगा। सूरत के कपड़े को वैश्विक स्तर पर बड़ा बाजार मिले, इसके लिए भविष्य में 'एक्सपोर्ट फेसीलिटेशन' और 'क्लस्टर डेवलपमेंट' पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से रोजगार के लिए सूरत आकर स्थायी रूप से बसे नागरिकों के सपनों को साकार करने में योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों की जानकारी देते हुए संघवी ने कहा कि टेक्सटाइल पॉलिसी के अंतर्गत केवल एक वर्ष में गुजरात के व्यापारियों को 8 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। प्रशासनिक प्रक्रिया को तेज बनाते हुए पहले एमएसएमई के अंतर्गत प्रतिदिन 170 फाइलें स्वीकृत होती थीं, जो अब बढ़कर 397 हो गई हैं। आने वाले समय में प्रतिदिन 500 व्यापारियों को प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि हाल में 'पीएम मित्रा पार्क' की टेंडर प्रक्रिया चल रही है, जिससे दक्षिण गुजरात में टेक्सटाइल का सबसे बड़ा इको-सिस्टम विकसित करने के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने उद्योगकारों से वैल्यू एडिशन के साथ गारमेंटिंग क्षेत्र की ओर आगे बढ़ने का अनुरोध किया और दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि सूरत सहित पूरा दक्षिण गुजरात देश का सबसे बड़ा गारमेंटिंग हब बनेगा।

इस परामर्श महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सूरत में तेजी से बढ़ते एयर जेट लूम्स उद्योग के विस्तार, नई टेक्नोलॉजी को अपनाने तथा वस्त्र उद्योग में वैल्यू एडिशन बढ़ाकर वैश्विक स्तर पर सूरत की पकड़ को और मजबूत बनाना है।

ठाणे के प्रमुख बांधों में तेजी से बढ़ा जलस्तर, बारवी में 53.24 प्रतिशत और भातसा में 58.41 प्रतिशत उपयोगी जल भंडार राहत

ठाणे, (ईएमएस)। मुंबई और ठाणे जिले की महानगरपालिकाओं को पानी उपलब्ध कराने वाले प्रमुख बांधों में लगातार हो रही बारिश के कारण जल भंडार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भातसा, बारवी, तानसा, मोडक सागर, अपर वैतरणा, मध्य वैतरण और आंध्रा बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही जोरदार बारिश से जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे मुंबई, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, भिवंडी और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों की पेयजल आपूर्ति को लेकर राहत की स्थिति बनी हुई है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, बारवी बांध में शनिवार को 180.40 मिलियन घनमीटर (53.24 प्रतिशत) उपयोगी जल भंडार दर्ज किया गया। बांध का जलस्तर 65.72 मीटर तक पहुंच गया है।

पिछले 24 घंटों में बारवी के जलग्रहण क्षेत्र में 112 मिमी वर्षा हुई, जबकि इस मानसून में अब तक कुल 1165 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि, पिछले वर्ष इसी दिन बारवी बांध में 263.78 मिलियन घनमीटर (77.85 प्रतिशत) उपयोगी जल भंडार उपलब्ध था, लेकिन इस वर्ष लगातार हो रही बारिश के चलते आने वाले दिनों में जल भंडार में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। बारवी बांध के जलग्रहण क्षेत्र में स्थित विभिन्न स्थानों पर भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। कानोल में 149 मिमी, पाटगांव में 147 मिमी, कलसं डैम क्षेत्र में 112 मिमी, ठाकुरवाड़ी में 102 मिमी और खानीवरे में 79 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके चलते बांध में पानी की आवक लगातार बनी हुई है।

बड़े सिंचाई परियोजनाओं की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भातसा बांध में 550 मिलियन घनमीटर (58.41 प्रतिशत) तथा आंध्रा बांध में 181.29 मिलियन घनमीटर (53.46 प्रतिशत) उपयोगी जल भंडार उपलब्ध है। तानसा, मोडक सागर, अपर वैतरणा और मध्य वैतरणा बांधों में भी जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जलग्रहण क्षेत्रों में इसी तरह बारिश जारी रही तो अगले कुछ दिनों में बांधों का जल भंडार और बढ़ेगा, जिससे पूरे वर्ष मुंबई महानगर क्षेत्र और ठाणे जिले में पेयजल आपूर्ति सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। लगातार बढ़ते जल भंडार ने स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों को भी बड़ी राहत दी है।

दीव में इस्माइली खोजा समाज ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

■ जनता ने दिखाया भारी उत्साह, डॉक्टरों ने सराहा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 19 जुलाई। आज दीव में इस्माइली खोजा समाज ने एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में दीव की स्थानीय जनता ने बेहद उत्साह के साथ भाग लिया और बढ-चढकर रक्तदान किया। होटल टीजीएच में आयोजित इस शिविर में 31 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में इस्माइली खोजा समाज के अध्यक्ष अल्ताफभाई टोतीया, विकी दिवेचा, आगाखान काउंसिल सघर्न सौराष्ट्र के अध्यक्ष वजीर जिवाणी और संस्था के अग्रणी नेता गोहरा जिवाणी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही ईपीबी चेयरमैन अकबर कोटडिया और समाज के अन्य गणमान्य नेताओं और स्वयंसेवकों ने भी शिविर की व्यवस्थाओं को संभालने में कडी मेहनत की। यह रक्तदान शिविर उना की दिव्य ज्योति ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया था। शिविर के दौरान दीव के प्रसिद्ध डॉक्टरों और दिव्य ज्योति ब्लड बैंक के मेडिकल ऑफिसर डॉ. जे. कामलिया ने अपनी विशेष चिकित्सा सेवाएं प्रदान कीं।

गुजरात में आयुर्वेद को नई ऊर्जा, 2.75 लाख से अधिक औषधीय पौधे निःशुल्क वितरित

सात सरकारी औषधीय उद्यानों से नागरिकों, स्कूलों और किसानों को पौधे; स्वस्थ जीवनशैली और औषधीय खेती को मिल रहा बढ़ावा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में आयुर्वेदिक परंपरा तथा नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली को पोषित करने के लिए गुजरात औषधीय वनस्पति बोर्ड ने वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य के सात सरकारी औषधीय उद्यानों से 2.75 लाख से अधिक औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया है। बोर्ड व्यक्तिगत उपयोग के लिए 10, स्कूलों-संस्थाओं को 50 तथा किसानों एवं सार्वजनिक भूमि के लिए 500 तक की संख्या में पौधे निःशुल्क देता है। गांधीनगर उद्यान से चंदन के पौधे मात्र 20 रुपए की सब्सिडी युक्त दर पर उपलब्ध कराए जाते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन और स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया के नेतृत्व में कार्यरत ये उद्यान केवल पौधों के संवर्धन के केन्द्र ही नहीं, बल्कि आयुर्वेदिक ज्ञान के केन्द्र के रूप में भी विकसित हुए हैं। प्रतिवर्ष लगभग 20 हजार विद्यार्थी, शोधकर्ता और आयुर्वेद के अध्ययनकर्ता यहाँ का दौरा कर औषधीय वनस्पतियों का प्रत्यक्ष अध्ययन करते हैं। वर्ष 2002 में 'न लाभ, न हानि' के आधार पर स्थापित गुजरात औषधीय वनस्पति बोर्ड का मुख्य उद्देश्य आयुर्वेदिक फार्मेसियों तथा परंपरागत उपचार पद्धति के लिए गुणवत्तायुक्त औषधीय वनस्पतियाँ उपलब्ध कराना है। बोर्ड घरेलू उपचार के संबंध में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ किसानों को औषधीय फसलों की व्यावसायिक खेती के लिए सब्सिडी भी देता है।

बोर्ड द्वारा बाजार की मांग को ध्यान में रखकर अधिक लाभदायक औषधीय फसलों की पहचान, जंगलों में औषधीय वनस्पतियों का विस्तार, एनजीओ के सहयोग से हरियाली अभियान तथा विश्वविद्यालयों के साथ अनुसंधान जैसे कार्यक्रम भी किए जाते हैं।

मांडवी के जंगलों में लौटे चीतल, तेंदुओं को मिलेगा प्राकृतिक शिकार; मानव-वन्यजीव संघर्ष घटाने की नई पहल

■ सासण गिर से लाए गए 50 चीतलों को तीन चरणों में छोड़ा गया, जैवविविधता बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन मजबूत करने पर जोर

■ वॉटर प्वॉइंट, ब्रीडिंग सेंटर, कैमरा ट्रैप और क्विक रिस्पॉन्स टीम के साथ विज्ञान आधारित संरक्षण मॉडल पर काम कर रहा गुजरात वन विभाग

अहमदाबाद (ईएमएस)। तेंदुओं जैसे वन्यजीवों को जंगल में उनका प्राकृतिक भोजन उपलब्ध हो तथा मनुष्यों व वन्यजीवन के बीच संघर्ष कम हो; इस उद्देश्य से सूरत वन विभाग द्वारा हाल ही में मांडवी के जंगलों में तृणाहारी वन्यजीवों को छोड़ा गया है।

गुजरात वन विभाग द्वारा हाल ही में सासणगिर से 50 चीतल (स्पॉटेड डियर) लाकर सूरत जिले के मांडवी के जंगलों में छोड़े गए हैं। इस पहल का उद्देश्य तेंदुओं जैसे वन्यजीवों को जंगल में प्राकृतिक शिकार उपलब्ध कराना तथा इस प्रकार जंगल में जैवविविधता बढ़ाना है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह स्थानांतरण इस वर्ष मई एवं जून माह के बीच तीन चरणों में किया गया। वन विभाग द्वारा 23 मई को 21 चीतल, उसके बाद 18 जून को 16 तथा 24 जून को अन्य 13 चीतल जंगल में छोड़े गए। इस प्रकार कुल 50 चीतलों को जंगल में छोड़ा गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि वन्यजीव संरक्षण तथा विकास; दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और मनुष्य तथा वन्यजीव; दोनों एक साथ समृद्ध होने चाहिए। इसी विजन से प्रेरित होकर गुजरात सरकार जैवविविधता के संरक्षण के साथ मानव-वन्यजीव के सह-अस्तित्व को प्रोत्साहन देने के लिए विज्ञान आधारित वन संरक्षण पहलों को लागू कर रही है। गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा, "मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात वन विभाग मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए विज्ञान आधारित वन्यजीव संरक्षण के विभिन्न कदम उठा रहा है। जंगल में तेंदुओं जैसे वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक शिकार उपलब्ध रहे; इसके लिए ये प्रयास किए जा रहे हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया यह स्थानांतरण उपयुक्त वन क्षेत्रों में तृणाहारी वन्यजीवों की आबादी बढ़ाकर पर्यावरणीय संतुलन को पुनर्स्थापित करने के राज्य के दीर्घकालीन प्रयासों का एक हिस्सा है।"

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री प्रवीण माली ने कहा, "शिकारी (शिकार करने वाले) वन्यजीवों को उनका भोजन जंगल में ही उपलब्ध हो; यह आवश्यक है, जिससे भोजन की खोज में उनके मानव बस्तियों की ओर आने की घटनाएँ कम हों। जंगल में तृणाहारी वन्यजीवों को छोड़ने का यह प्रयास मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने में सहायक सिद्ध हो सकता है।" प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन जयपाल सिंह ने कहा, "यह पहल मांडवी वन रेंज में पहले किए गए संरक्षण कार्यों को आगे बढ़ाती है। वन विभाग ने स्थानीय तृणाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के लिए एक चीतल प्रजनन केन्द्र (ब्रीडिंग सेंटर) स्थापित किया है।"

सूरत सर्कल के वन संरक्षक पुनीत नैय्यर ने कहा, "मानव-वन्यजीव संघर्ष के समय त्वरित कार्रवाई के लिए वन विभाग ने आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों से सुसज्जित एक समर्पित क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) भी तैनात की है, जिससे वन्यजीव संबंधी आपात स्थिति के समय तत्काल कार्रवाई की जा सके और स्थानीय समुदायों एवं वन्यजीवों; दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।" पुनीत नैय्यर ने जोड़ा कि चीतलों को सासण (गिर) से सूरत के जंगलों में लाने से पहले ऐसे स्थानों की पहचान करने के लिए विस्तृत आवासीय मूल्यांकन किया गया था, जो छोड़े जाने वाले वन्यजीवों को लंबे समय तक आश्रय प्रदान कर सकें। इन हिरणों के लिए पूरे वर्ष पानी उपलब्ध रहे; इसकी भी व्यवस्था की गई है। हिरणों के लिए जंगल में 10 स्थायी वाटर प्वॉइंट (जल स्रोत) विकसित किए गए हैं।

वन विभाग ने वन्यजीवों को जंगल में छोड़ने के बाद उनकी सघन निगरानी (पोस्ट-रिलीज मॉनिटरिंग) के लिए एक विशेष कार्यक्रम भी तैयार किया है। समर्पित वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड्स) और प्रशिक्षित ट्रैकर्स लगातार फील्ड मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जबकि हिरणों की आवाजाही, आवास के उपयोग, उनके स्वास्थ्य तथा जंगल में उनके अस्तित्व का मूल्यांकन करने के लिए रणनीतिक स्थानों पर कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। वन अधिकारियों ने बताया कि यह पहल सूरत वन विभाग द्वारा पर्यावरणीय स्थितिस्थापकता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विज्ञान आधारित वन्यजीव प्रबंधन द्वारा प्राकृतिक शिकार के आधार को को सुदृढ़ करके विभाग का उद्देश्य जैवविविधता संरक्षण को प्रोत्साहन देना तथा दक्षिण गुजरात में दीर्घकालिक मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में योगदान देना है।

अहमदाबाद में सीएनजी फिर महंगी

अडाणी गैस ने रु. 2 प्रति किलो बढ़ाए दाम

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद के वाहन चालकों के लिए महंगाई का एक और झटका लगा है। अडाणी गैस ने एक बार फिर सीएनजी की कीमतों में रु. 2 प्रति किलो की बढ़ोतरी कर दी है। नए रेट लागू होने के बाद अहमदाबाद में सीएनजी की कीमत रु. 90 प्रति किलो के आंकड़े को पार कर गई है, जिससे आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ा है।

लगातार बढ़ती सीएनजी कीमतों को लेकर वाहन चालकों में नाराजगी देखी जा रही है। दोपहिया और चारपहिया वाहन मालिकों का कहना है कि ईंधन के बढ़ते दामों ने मध्यमवर्गीय परिवारों का मासिक बजट बिगाड़ दिया है और अब सीएनजी वाहन चलाना भी पहले की तुलना में काफी महंगा हो गया है।

वर्ष 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें तो अडाणी गैस अब तक सीएनजी के दामों में कुल रु. 10 प्रति किलो की बढ़ोतरी कर चुकी है। बार-बार हो रहे इस मूल्यवृद्धि के कारण परिवहन और यात्रा खर्च में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। वाहन चालकों ने सरकार और गैस कंपनी से सीएनजी के दाम कम करने की मांग की है। हालांकि फिलहाल कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी रहने से आम जनता की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

CHANGE OF NAME

OLD NAME: SURNAME: ATTAR
NAME: SHAFEENA MAHAMMADGOUS
NEW NAME: SURNAME: ATTAR
NAME: SHAFEENA MOHAMMADGOUS
ADDRESS: Flat no. 403-404, 4th floor, Daman tower khariwad,Nani Daman, Daman.
Pin: 396210, Daman and Diu, India.

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह

संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

सर्वदलीय बैठक से शुरू हुआ राजनीतिक संग्राम,महत्त्वपूर्ण विधेयकों,संवैधानिक विमर्श, परिसीमन,महिला आरक्षण, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों के मुद्दों पर सत्ताझविपक्ष की निर्णायक परीक्षा...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निमार्ताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद, जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरूआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मयार्दाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निर्मंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम

निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं, बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है। इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मयार्दाओं को सुरक्षित रखना है।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

संपादकीय

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पार्ट्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें? यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें? ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठेकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकते रहते हैं? हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं? ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है?

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

ज़िंदगी और कूटनीतिः शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

दिलीप कुमार पाठक

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरूआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बबार्दी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुबार्नी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आजाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चौंसठ खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है।

(लेखक पत्रकार हैं)

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

सोनम लववंशी

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को जीरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असली आज़ादी

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर : यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है। यूरोएमओएमओ के आंकड़े कहते हैं, 28 जून को खत्म हुए सप्ताह में करीब 14,260 अधिक मौतें हुईं। इनमें से 12,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी (कॉनरेड) ने एहतियाती कदम उठाते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एजेंसी की ओर से ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में यह दिखाया गया है। कॉनरेड ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और केवल आधिकारिक माध्यमों से मिली जानकारी पर भरोसा करें।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि अहम बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं। इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है।

बहरीन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला; अमेरिका की नागरिकों से पश्चिम एशिया ना जाने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया, ताकि संयंत्र, कर्मचारियों और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन योजनाएं तुरंत लागू कर दी गई हैं और बिजली व पानी की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ईरान के 20 गांवों में पेयजल संकट से 10 हजार लोग प्रभावित : ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जास्क काउंटी स्थित बुंजी गांव में अमेरिकी हमले के बाद जल विलवणीकरण संयंत्र और समुद्री जल पंपिंग स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। होर्मोजगान जल एवं अपशिष्ट जल कंपनी के सीईओ हमजेह पूर के अनुसार, इस हमले से करीब 20 गांवों के लगभग 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को 'आतंकी हमला' बताते हुए कहा कि प्रभावित गांव गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ढ्ढक्रत्रष्ट ने यह भी दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान बंद : ईरान की ओर से हुए ताजा हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। कुवैत एयरवेज ने यात्रियों को जारी नए अपडेट में इसकी जानकारी दी और कहा कि हालात सामान्य होने तक विमान संचालन प्रभावित रहेगा। इससे पहले एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) करने की घोषणा की थी और यात्रियों से उड़ानों से जुड़े अपडेट पर लगातार नजर रखने की अपील की थी।

पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ इराक ने किए समझौते : इराक सरकार ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कई अहम प्रारंभिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ तेल निर्यात के वैकल्पिक मार्ग विकसित करना है। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित अमेरिका-इराक बिजनेस समिट के दौरान हुए इन समझौतों में इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन के पुनर्निर्माण की योजना भी शामिल है। यह लंबे समय से बंद पड़ी पाइपलाइन उत्तरी इराक के तेल समृद्ध किर्कुक क्षेत्र को सीरिया के भूमध्यसागरीय बंदरगाह बनियास से जोड़ती है। इराक इस परियोजना के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी निर्भरता कम कर वैकल्पिक निर्यात मार्ग तैयार करना चाहता है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस परियोजना को अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन अंजाम देगी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहें।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, ने ऐसे देशों से अपने नागरिक सुरक्षा तंत्र (सिविल डिफेंस) को सक्रिय करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाने को कहा है। इन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए किया जा रहा है। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक की जमीनी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान को निशाना बनाया, जिसमें वहां मौजूद सैन्यकर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर भी हमला करने, वहां की रडार प्रणाली को निष्क्रिय करने तथा हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर और ड्रोन सुविधा को नष्ट करने का दावा किया है।

तीस्ता परियोजना पर बांग्लादेश ने क्यों थामा चीन का हाथ, भारत की चिंता की वजह क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन का हाथ थाम लिया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस परियोजना की फीजिबिलिटी स्टडी कराने का समझौता किया। फिलहाल यह केवल शुरुआती अध्ययन है, लेकिन इसे चीन के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना भारत के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। तीस्ता नदी का उद्गम सिक्किम के पूर्वी हिमालय में होता है। इसके बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और अंत में जमुना (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी में मिल जाती है। तीस्ता नदी की कुल लंबाई 414 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 113 किलोमीटर हिस्सा बांग्लादेश में बहता है, जबकि शेष भाग भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) में स्थित है।

यह नदी दोनों देशों के लिए सिंचाई, कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण का प्रमुख स्रोत है। खासकर बांग्लादेश के उत्तरी जिलों की खेती काफी हद तक इसी नदी पर निर्भर है। हालांकि सर्दियों में पानी की भारी कमी और मानसून में बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या है।

तीस्ता को लेकर कौन से प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है बांग्लादेश : तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट बांग्लादेश की सबसे बड़ी नदी प्रबंधन परियोजनाओं में से एक है। अमेरिकी विश्वविद्यालय लॉक हेवन की रिसर्च के अनुसार, इस परियोजना का मकसद तीस्ता नदी को इस तरह विकसित करना है कि पानी का बेहतर इस्तेमाल हो सके और नदी से जुड़ी समस्याएं कम हों। इसके लिए सात मुख्य लक्ष्य तय किए गए हैं।

इस परियोजना की शुरुआत कब हुई : जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा के दौरान चीन ने तीस्ता परियोजना में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने चीन की सरकारी पावर कंपनी के साथ तकनीकी सहयोग और लगभग 853 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता पर सहमति बनी। 2020 में शेख हसीना सरकार ने इस परियोजना का खाका पेश किया। लेकिन आर्थिक कारणों और भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्रालय ने 2020 में आर्थिक संबंध प्रभाग (श्वक्रष्ठ) को पत्र लिखकर इस परियोजना के लिए चीन से 983.27 मिलियन डॉलर (करीब 98.3 करोड़ डॉलर) का कर्ज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। यह ऋण सीधे टीआरसीएमआरपी को लागू करने के लिए मांगा गया है। अब तारिक रहमान सरकार ने चीन के साथ इस परियोजना को फिर से आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस; उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं।

पीओके में हो रही हिंसा पर ह की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जेएएसी पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया : बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

ह ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई : संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए छ्वष्ट नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए।

ईरान की यूएस को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही; क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 'युद्ध और वार्ता' की नीति समाप्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, 'अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा। उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी।

ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया : इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया। एक जानकार सैन्य सूत्र का हवाला देते हुए, तसनीम ने कहा कि थाई ध्वज वाले जहाज ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर की नौसेना से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास किया और चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पिछले कई दिनों से, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों के खिलाफ कई बार हमले किए हैं। यह दावा करते हुए कि ये हमले ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने के जवाब में हैं। इनका उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों को धमकी देने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। ईरान ने इसके जवाब में पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाईं।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को बनाया निशाना; होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बेहद कम

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलों ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है। क्या अब खाड़ी के रास्ते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को नष्ट करने का किया दावा : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुवैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके एक बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने वाले (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर हमला किया, जिससे स्टेशन को व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद आग लग गई और बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को क्षति पहुंची। मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ संयंत्र को दोबारा चालू करने के प्रयास जारी हैं। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल के डिसैलिनेशन से प्राप्त होता है, ऐसे में इस तरह का हमला देश की जल आपूर्ति और आवश्यक सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने होर्मोजगान प्रांत में रेलवे के एक महत्वपूर्ण बिंदु को हुए नुकसान के चलते बंदर अब्बास स्टेशन से यात्री ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात : उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है!'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है: ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आईं जब कनाडा में लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल हैं, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आईक्यूएयर के अनुसार, शुक्रवार को डेट्रॉइट में दुनिया की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिसके बाद शिकागो, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का स्थान रहा। टैरिफ लगाने की धमकी कई रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने कनाडा पर बार-बार लगने वाली जंगल की आग के धुएं को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।' इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

30 की हुईं स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्ट: 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडे: 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीय: 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैमस्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

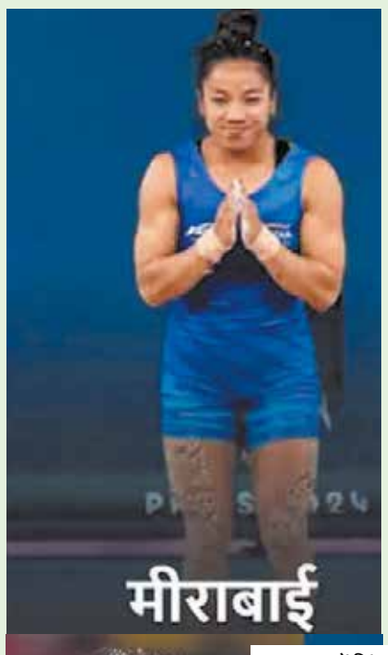

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए। रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।

फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा, शेयर किया लकी नंबर का दिलचस्प किस्सा

1990 के दशक में अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग, दमदार डांस और अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर गोविंदा लंबे समय से फिल्मों से दूर थे। वह अब फिल्म 'रूपा' के जरिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शायद उनकी किस्मत में यही लिखा था कि फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, ताकि वह पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी कर सकें। उन्होंने कहा कि शायद मेरी किस्मत में कई बार लोगों द्वारा नकारा जाना ही लिखा था। लोगों ने कहा कि अब यह फिल्मों में नजर नहीं आएगा, लेकिन मैं हर बार फिर से शुरुआत करता हूं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि जो मैंने सोचा है और जिसकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते, वह इस फिल्म के जरिए सच हो जाए। यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे सिनेमाघरों में देखेंगे, तो उनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह सब संभव है। मैं इस पर आध्यात्मिक बातें नहीं करना चाहता। एक्टर गोविंदा ने यह भी बताया कि वह अंक ज्योतिष (न्यूमरोलॉजी) में बहुत यकीन रखते हैं। 14 नंबर मेरा लकी नंबर है। मेरा नाम भी अंक ज्योतिष के हिसाब से ही रखा गया है। मैंने बहुत कम उम्र में ही इसमें यकीन करना शुरू कर दिया था। मैं 14 साल का था। मुझ पर भगवान की कृपा थी। मैंने एक हफ्ते में 14 फिल्में साइन की थीं। फिर मैंने 14 साल तक सुपर-स्टारडम देखा। फिर मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। मैंने 14 साल तक संघर्ष किया और फिर मैं फिल्मों में वापस आया। यह पहली बार है जब मैं 5 साल से ज्यादा इंतजार नहीं कर सका। मैं फिर से शुरुआत करूंगा और अब मुझे उम्मीद है कि सफर यहीं से शुरू हुआ है। गोविंदा ने कहा कि जब मैं गांव में कहता था कि मैं हीरो बनूंगा, तो लोग मुझ पर हंसते थे। वे कहते थे, 'तुम न तो सिगरेट पीते हो, न शराब पीते हो, न नॉन-वेज खाते हो, न लहसुन-प्याज खाते हो। तुम हीरो कैसे बन सकते हो। गोविंदा ने कहा कि लोग कहते थे कि अगर तुम डर के मारे भागोगे, तो साधु बन जाओगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने वही किया जो मेरी मां ने सोचा था। अब मुझे लगता है कि यह फिल्म बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। ऐसी फिल्में बननी चाहिए। और बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए।

हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी दिशा पाटनी

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए। फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर्स सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडिशन, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझे बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते।

केविन स्पेसी की तारीफ में कहा?

दिशा पाटनी ने वैरायटी इंडिया से बात करते हुए कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टर्स को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी। मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले किसी क्रिएटर के साथ ऐसा किया है।

अपने हॉलीवुड सफर पर बोलीं

एक्ट्रेस ने हॉलीवुड डेब्यू और ऑडिशन को लेकर कहा, 'पश्चिम में ऑडिशन टेम्प्लेट पर बहुत जोर दिया जाता है। आपको चीजों के लिए ऑडिशन देना होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके लिए वह कितना आसान है और आपने किसके साथ साइन किया है। किस्मत भी इसमें भूमिका निभाती है। कभी-कभी, वे बस आपका काम देखते हैं और आपको प्रोजेक्ट और ऑडिशन ऑफर करते हैं। यह वीजा और दूसरी लॉजिस्टिकल चीजों पर भी निर्भर करता है। यह सब बहुत टेक्निकल है। आखिरकार, यह एक अलग देश है। लेकिन आपको वहां मौजूद रहना होगा। आप यहां भारत में बैठकर वहां रोल नहीं पा सकते। आप यहां से ऑडिशन दे सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि आप वहां जाएं, कुछ समय के लिए रहें और उस पर काम करें। किसी भी देश के साथ ऐसा ही होता है'।

ऋतिक रोशन ने पूरी की 'जेलर 2' में कैमियो की शूटिंग

रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की अभी शूटिंग हो रही है। बताया जाता है कि बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इस फिल्म में कैमियो करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक रोशन ने फिल्म में अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्स पर ओम नाम के एक वैरिफाइड यूजर ने एक तस्वीर शेयर की है। इसमें रजनीकांत और ऋतिक रोशन एक साथ नजर आ रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार ने 'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए शानदार किरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। यह एक दमदार कैमियो है, जिसे दर्शकों से तारीफ बटोरने के लिए डिजाइन किया गया है। उनका कैमियो फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और कहानी को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। 'जेलर 2', रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है।

हिंदी-साउथ के बाद अब पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटैलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को गिप्पी ग्रेवाल का सपोर्ट मिलने की बात कही जा रही है। हालांकि, नवाजुद्दीन का रीजनल सिनेमा में यह पहला कदम नहीं है। वह पहले तेलुगु फिल्म 'सैंधव' और तमिल फिल्म 'पेट्टा' का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें उन्होंने रजनीकांत के साथ विलेन का रोल निभाया था। इसके बाद 'तुम्बाड 2' आने वाली है, जो 2018 की ओरिजिनल फिल्म का सीक्वल है। रिपोर्ट की मानें तो अब नवाज जल्द ही पंजाबी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

निक को ज्यादा पता हैं बॉलीवुड के राज

बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकीं प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनके पति और अमेरिकी सिंगर निक जोनस को बॉलीवुड की गपशप में काफी दिलचस्पी है। जोनस ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया कि निक उनके लिए बॉलीवुड की खबरों का सबसे भरोसेमंद जरिया बन चुके हैं। प्रियंका के मुताबिक, बॉलीवुड में किसका क्या चल रहा है, इसकी जानकारी निक को उनसे भी ज्यादा रहती है।

प्रियंका ने सुनाया एक दिलचस्प किस्सा

इस दौरान प्रियंका ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया, 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी को मैसेज करके कहती हूं कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना', तो निक मुझे टोकते हैं और कहते हैं कि 'नहीं, उन दोनों का तो ब्रेकअप हो चुका है।' तब मुझे सच पता चलता है।' जब निक के भाई केविन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब कैसे पता चलता है, तो निक ने हंसते हुए कहा कि वह चुपके से सोशल मीडिया पर कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं, लेकिन वह उन पेजों का नाम नहीं बताएंगे। निक का मानना है कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की कहानियां लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए उन्हें पढ़ना काफी दिलचस्प लगता है।

प्रियंका और निक की जोड़ी

प्रियंका और निक की लव स्टोरी साल 2016 में सोशल मीडिया पर एक मैसेज से शुरू हुई थी। इसके बाद 2017 में दोनों पहली बार 'मेट गाला' इवेंट में एक साथ नजर आए। 2018 में दोनों ने डेटिंग शुरू की और इसी साल हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से बेहद धूमधाम से शादी कर ली। 2022 जनवरी में उनके घर एक प्यारी बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है।

एक कलाकार को रियल में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं

बॉलीवुड के अनुभवी एक्टर अन्नू कपूर का कहना है कि किसी कलाकार की निजी सोच और उसके निभाए गए किरदार को कभी एक जैसा नहीं समझना चाहिए। उनकी आने वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में वह एक ऐसे फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभा रहे हैं, जिसे वास्तु शास्त्र पर पूरा भरोसा होता है। दिलचस्प बात यह है कि असल जिंदगी में उनकी सोच इस किरदार से बिल्कुल अलग है। अन्नू कपूर कहते हैं, 'मैं खुद नास्तिक हूं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि मैं किसी धर्म या किसी की आस्था का सम्मान नहीं करता।

जब निर्माता संदीप कपूर ने मुझे इस किरदार के बारे में बताया तो मैंने बिना देर किए हां कह दी। एक एक्टर होने के नाते मुझे ऐसे रोल करना सबसे ज्यादा पसंद है, जो मेरी असली जिंदगी से बिल्कुल अलग हों।'

पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए

उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हस्तरेखा और ज्योतिष जैसी चीजों पर कई किताबें पढ़ी हैं, लेकिन सिर्फ अपनी जिज्ञासा और जानकारी बढ़ाने के लिए। उनका मानना है कि उनकी पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया

अन्नू कपूर का कहना है कि कई बार उनके बयानों को गलत तरीके से पेश किया जाता है, जिससे बेवजह विवाद खड़े हो जाते हैं। उन्होंने साफ कहा, 'मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया। मेरा इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं रहा। हर इंसान को अपनी सोच और विश्वास रखने का पूरा अधिकार है और मैं उसका सम्मान करता हूं।' एक्टर के मुताबिक, असली जिंदगी और पर्दे पर निभाए गए किरदार के बीच फर्क होना ही एक्टिंग की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार को असल जिंदगी में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं होती। उसकी जिम्मेदारी सिर्फ इतनी होती है कि वह अपनी एक्टिंग से दर्शकों को उस किरदार पर भरोसा दिला सके।' अपनी फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' के बारे में बात करते हुए अन्नू कपूर ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों को खूब हंसाएगी और साथ ही एक अच्छा संदेश भी देगी। उन्होंने लोगों से फिल्म का ट्रेलर आखिर तक देखने की अपील की। उनके मुताबिक, जब फिल्म में उनकी पत्नी उनसे कहती है, 'इस वास्तु के चक्कर में तुम डरपोक हो गए हो,' तो यही एक संवाद पूरी कहानी का सार बता देता है।

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर'

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुत्तर' में अन्नू कपूर के साथ रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इशितयाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

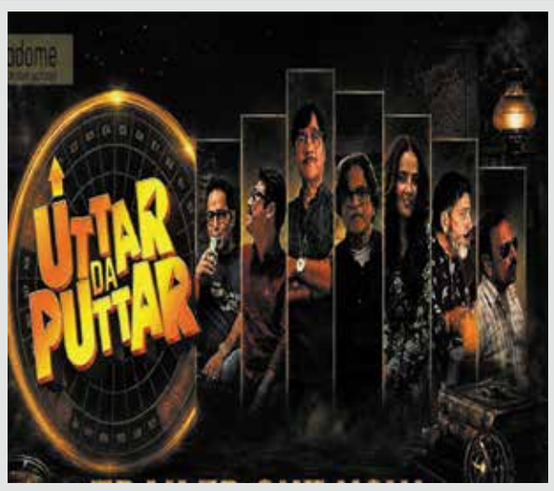

दमण कोर्ट में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का हुआ आयोजन: मध्यस्थता से मामले सुलझाने पर दिया गया जोर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 जुलाई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के एड-हॉक मेंबर सेक्रेटरी राजेश एस. तिवारी के मार्गदर्शन में 18 जुलाई को सुबह 10 बजे से मोटी दमण कोर्ट परिसर के कोर्ट हॉल में कानूनी साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सीजेजेडी और जेएमएफसी दमण श्री ओमकार जे. कुलकर्णी ने जानकारी देते हुए कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से कई मामले निपटाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू, प्रॉपर्टी, परिवार एवं श्रम से जुड़े कई मामलों का निपटारा दोनों पार्टियों को समझाकर मध्यस्थता के जरिए सुलझाया जा सकता है। ऐसे मामलों को प्री लिटिगेशन के दौरान ही सुलझाये जा सकते हैं। मध्यस्थता से मामलों का निपटारा होने से दोनों पार्टियों का समय और पैसे की भी बचत होती है। इसमें दोनों पक्षों और वकीलों को मध्यस्थता के बारे में विचार करने की अत्यंत आवश्यकता है। राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण की को-मेंबर सेक्रेटरी श्रीमती पी. पी. भारस्कडे-वाघ ने कहा कि कोर्ट के समक्ष जब मामले आते हैं तो उन्हें सुलझाने में कई साल लग जाते हैं, आपको लंबा इंतजार भी करना पड़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि कोर्ट में बहुत सारे मैटर पेंडिंग पड़े रहते हैं। कई ऐसे मामले हैं जिसका समाधान आपस में बातचीत करके किया जा सकता है। अनेक मामलों का मध्यस्थता के माध्यम से निपटारा किया जा सकता है लेकिन कई बार दोनों पार्टियां सोचती हैं कि हमारी जीत होगी, हमारी जीत होगी, इसी बीच मामला काफी लंबा चलता है और इसमें दोनों पक्षों को परेशानी के साथ-साथ समय की बर्बादी होती है और उनका काफी पैसा भी चला जाता है। उन्होंने कहा कि 90% ऐसे मामले हैं जिसको मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा मामलों को मध्यस्थता से निपटाने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि इसमें वकीलों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ऐसे में किसी पार्टी की हार-जीत नहीं होती है दोनों पार्टियों को लगता है कि हमारी जीत हुई है। इस कार्यक्रम में वकील सीमा हंसराज ने मध्यस्थ के मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कई मामलों का निर्णय आने में सालों लग जाते हैं। दीवानी, प्रॉपर्टी जैसे मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निपटाया जा सकता है। इसमें दोनों पार्टियों की बातों को सुनने के बाद दोनों लोगों के बीच आपसी सुलह करके उसका निदान किया जा सकता है। इसके लिए दोनों पार्टियों और वकीलों को समझने की जरूरत है। वकील स्मीता गोहिल ने मध्यस्थता के लाभ के बारे में कानूनी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता सालों से चली आ रही परंपरा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब गांव में दो लोगों के बीच झगड़ा होता है तो आपके गांव के मुखिया द्वारा दोनों पार्टियों को समझा बुझाकर इसका समाधान कराया जाता है इसे ही मध्यस्थ कहते हैं। कार्यक्रम का संचालन और आभार विधि वकील मानसी परमार ने किया।

दमण वन विभाग ने वन महोत्सव के तहत आइवरी चिड़िया घर के परिसर में किया वृक्षारोपण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 जुलाई। दमण वन विभाग द्वारा वन महोत्सव के तहत आज वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर मोटी दमण जंपोर बीच आइवरी चिड़िया घर के परिसर में 51 पौधे लगाए गए। आइवरी चिडिया घर परिसर में वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य पक्षियों को ऑक्सीजन, छांव, शीतलता, अनुकूल वातावरण मिलता रहे। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में परियारी सरपंच भाविक हलपति, दमण वन विभाग के आरएफओ गायकवाड़, सभी फॉरेस्ट गार्ड, पंचायत सचिव, पंचायत के जूनियर इंजीनियर तथा वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहकर वृक्षारोपण किया।

दमण पुलिस ने साइबर क्राइम का खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को दिल्ली से किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 19 जुलाई। दमण पुलिस ने अंतर-राज्यीय साइबर धोखाधडी करने वाले एक बडे सिंडिकेट का भंडाफोड किया है। पुलिस ने इस मामले में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन ठगों ने दमण की एक स्थानीय महिला और उसकी बेटी को अपनी ठगी का शिकार बनाया था। आरोपियों ने इंश्योरेंस पॉलिसी बंद कराने के नाम पर दोनों से कुल 5,39,194 रूपये ऐंठ लिए थे। पीडितों की शिकायत के बाद कचीगाम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 318(4) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पीडित मां-बेटी ने पुलिस को बताया कि मार्च और मई 2026 के बीच उन्हें कई अज्ञात नंबरों से फोन आए थे। फोन करने वालों ने खुद को इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारी बताया। उन्होंने पुरानी इंश्योरेंस पॉलिसी को बंद कराने और पैसे वापस दिलाने का झांसा देकर पीडितों का भरोसा जीता। इसके बाद आरोपियों ने फर्जी ऑनलाइन पेमेंट लिंक भेजकर मां-बेटी को झांसे में लिया और उनसे कई बार में कुल 5,39,194 रूपये ट्रांसफर करवा लिए। जैसे ही रकम खाते में आई, आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए और गायब हो गए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कचीगाम थाना प्रभारी अनिलकुमार टी.के. के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने संदिग्ध मोबाइल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया, जिससे ठगों के दिल्ली में सक्रिय होने का सुराग मिला। दमण पुलिस तुरंत दिल्ली रवाना हुई और वेस्ट दिल्ली के रमेश नगर इलाके में जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को धरदबोचा। कडी पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। दिल्ली की स्थानीय अदालत से ट्रांजिट रिमांड लेने के बाद पुलिस उन्हें दमण लेकर आई है। पुलिस ने उनके पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन और कई इंश्योरेंस पॉलिसी धारकों के गोपनीय डेटा वाले रजिस्टर बरामद किए हैं। पकडे गए आरोपियों की पहचान 40 वर्षीय नजर अब्बास (निवासी ब्रिजपुरी, करावल नगर, दिल्ली) और 22 वर्षीय हिमांशु कुमार पांडेय (निवासी पदमनगर, सराय रोहिल्ला, दिल्ली) के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी नजर अब्बास दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में अवैध कॉल सेंटर चलाकर देशभर के लोगों को निशाना बनाता था। वह एक आदतन अपराधी है। इससे पहले दिसंबर 2025 में दिल्ली की सराय रोहिल्ला पुलिस ने उसके शास्त्री नगर स्थित कॉल सेंटर पर छापा मारकर उसे और उसके 32 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जून 2026 में भी उसके एक अन्य कॉल सेंटर से 20 लोग पकडे गए थे। जेल से छूटने के बाद उसने हिमांशु के साथ मिलकर रमेश नगर में नया ठिकाना बना लिया और ठगी जारी रखी। फिलहाल, दोनों आरोपी पुलिस कस्टडी में हैं और इस नेटवर्क से जुडे अन्य बैंक खातों और मददगारों की तलाश की जा रही है।

रोटरी क्लब ऑफ दमण एवं फॉर्च्यून वर्ल्ड हाउसिंग सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण अभियान संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ दमण द्वारा फॉर्च्यून वर्ल्ड हाउसिंग सोसायटी मैनेजमेंट कमेटी के सहयोग से रविवार 19 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 20 रोटेरियन्स एवं उनके जीवनसाथियों, 10 रोटरैक्टर्स एवं स्वयंसेवकों के साथ-साथ फॉर्च्यून वर्ल्ड सोसायटी के अनेक निवासी एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ फॉर्च्यून वर्ल्ड सोसायटी के सदस्य हेमंत शाह के नेतृत्व में सोसायटी सदस्यों द्वारा रोटरी क्लब ऑफ दमण के अध्यक्ष रोटेरियन जयेश जोशी, सचिव रोटेरियन सत्येन परम्पिल, रोटरैक्ट अध्यक्ष तथा उपस्थित सभी रोटेरियन्स के स्वागत के साथ हुआ। अपने संबोधन में रोटरी क्लब ऑफ दमण के अध्यक्ष रोटेरियन जयेश जोशी ने बच्चों, सोसायटी सदस्यों, रोटरैक्टर्स एवं स्वयंसेवकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके बड़े होने तक नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक शामिल होने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने की निरंतर जिम्मेदारी है। इसके पश्चात बच्चों ने सोसायटी परिसर के भीतर पौधारोपण किया, जबकि रोटेरियन्स एवं सोसायटी सदस्यों ने सोसायटी के आसपास एवं बाहरी परिधि क्षेत्र में वृक्ष लगाए। इस अभियान के दौरान लगभग 30 पौधों का रोपण किया गया। इस सेवा परियोजना का सफल संचालन कार्यक्रम अध्यक्ष एवं क्लब उपाध्यक्ष रोटेरियन अम्बरीश इंटवाला, सर्विस चेयर रोटेरियन मनीष कापड़िया, फॉर्च्यून वर्ल्ड हाउसिंग सोसायटी के सदस्य हेमंत शाह तथा अन्य सोसायटी सदस्यों ने रोटरी क्लब ऑफ दमण के अध्यक्ष रोटेरियन जयेश जोशी के मार्गदर्शन में किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने अल्पाहार किया और साथ ही भविष्य में भी ऐसे पर्यावरण संरक्षण अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। रोटरी क्लब ऑफ दमण ने समाज से अधिकाधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल कर हरित एवं स्वच्छ दमण के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।

दादरा नगर हवेली में दो स्थानों पर जय जगन्नाथ मेगा ड्राइंग प्रतियोगित का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 19 जुलाई। दादरा नगर हवेली में जगन्नाथ रथ यात्रा के मौके पर सीमा (सिलवासा इंडस्ट्रीज एंड मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन) और श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति सिलवासा के सहयोग से दो अलग-अलग जगहों पर मेगा ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह प्रतियोगिता ओपन एयर थिएटर, यात्री निवास के पास आयोजित की गई, जिसमें कुल 202 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुल 8 विजेताओं की घोषणा की गई और उन्हें सीमा के आयोजन सचिव और सीमा सदस्य परेश गज्जर तथा जगन्नाथ सेवा समिति और मंदिर ट्रस्ट के अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विशेष पुरस्कार और विजेता ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। यह ड्राइंग प्रतियोगिता पिछले 10 वर्षों से हर साल आयोजित की जा रही है। जज के रूप में विजयभाई और शीतलबेन ने अपनी सेवा दी। वहीं दूसरी प्रतियोगिता श्री जगन्नाथ मंदिर कल्चरल ट्रस्ट रामदेव बाबा मंदिर के पास रिंग रोड सिलवासा में आयोजित हुई। जिसमें कुल 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। दोनों जगहों पर कुल मिलाकर 272 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सीमा की प्रशासनिक टीम और जगन्नाथ के सांस्कृतिक स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की। कार्यक्रम के बाद सभी प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया गया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)